क्या बैंक ऋण के ज़रिए कार खरीद रहे हैं?

बार–बार पढ़ें और सोचें

लगभग हर बैंक चाहता है कि आप उनसे कार ऋण लें, वो संचार के विभिन्न माध्यमों के जरिए अपनी प्रेरक शक्ति दर्शाते हैं। कम ब्याज दर, लचीली भुगतान शर्तें, कम मासिक भुगतान, तत्काल स्वीकृति– सभी बैंक इनका अपनी खासियत के रूप में दावा करते हैं। कभी–कभी कई बैंक टीवी में विज्ञापन गीत के जरिए, कुछ अवधि के कार ऋण की घोषणा खासकर त्योहारों के मौसम में करते हैं, अन्य बैंक कार वितरकों/निर्माताओं के साथ सम्बद्ध होते हैं। उपभोक्ता यदि किसी खास कार के लिए बैंक ऋण जारी करवाता है तो वहां उसे नकद छूट मिलती है यानी, उपभोक्ता को केवल अपनी जरूरत बतानी होती है और आय का प्रमाण व कार का इनवॉयस जमा कराना होता है। सवाल है कि : कौन से बैंक से आप संपर्क कर सकते हैं? ध्यान रखें कि सबसे बेहतर सौदा वह होता है जो आपके बजट और आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप हो।

गोपाल रवि कुमार और सुभाष तिवारी की रिपोर्ट

इस शोध के उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने कुल 11 बैंकों (6 सार्वजनिक बैंक और 5 निजी बैंकों) को चुना है, जो लोगों को कार के ऋण की पेशकश करते हैं। इस शोध के लिए 10 लाख तक के अस्थिर ब्याज दरों वाले कार ऋण पर विचार किया गया है। उपभोक्ता की धारणा के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण वैरिएबल को ध्यान में रखा गया है, हमने उत्पाद के संबंध में आठ कारकों की पहचान की है– इसके लिए हमने 80 अंक प्रदान किए हैं। शेष 20 अंक हमने उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया के लिए दिए हैं।

कंस्यूमर वॉयस की सलाह

उत्तम खरीद

आईसीआईसीआई बैंक

अच्छी खरीद

बैंक ऑफ इंडिया

उचित खरीद

फेडरल बैंक

आईडीबीआई बैंक

स्टेट बैंक ऑफ पटियाला

कंस्यूमर वॉयस अधिमान(मानदंड) अंक 100	बैंक	पीएनबी	भारतीय स्टेट बैंक	स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	सेंट्रल बैंक	
15	वार्षिक आय (रुपए, लाख)	2.40 (5)	3 (5)	3 (5)	2.40 (5)	
15	अधिकतम ऋण (रुपए)	मासिक आय का 25 गुणा (7)	मासिक आय का 48 गुणा (10)	मासिक आय का 48 गुणा (10)	मासिक आय का 24 गुणा (7)	
15	मार्जिन (प्रतिशत)	15 (9)	15 (9)	15 (9)	10 (12)	
5	प्रक्रिया शुल्क (रुपए)	10,000 (2)	5,000 (3)	1,000 (4)	5,000 (3)	
15	ब्याज दर (प्रतिशत)	10.65 (15)	10.45 (15)	10.45 (15)	10.65 (15)	
5	तृतीय पक्ष जमानत	हां (0)	हां (0)	हां (0)	हां (0)	
5	तृतीय पक्ष उत्पाद (बिक्री)	हां (0)	नहीं (5)	नही (5)	हां (0)	
5	स्वीकृति पर लगने वाला समय (दावा किए गए दिनों की संख्या)	10 + (1)	10 + (1)	6 से 10 (3)	10 + (1)	
20	उपभोक्ता की प्रतिक्रिया	15	10	15	10	
कुल		54	58	66	58	

शुरुआत के लिए

उपभोक्ताओं को यह सलाह दी जाती है कि उस बैंक से संपर्क करें जहां उनका वेतन/व्यावसायिक आय आती हो या जहां उनके नियोक्ता ने संस्था के खाते खोल रखे हैं। कोई सहूलियत के लिए बैंक की स्थानीय शाखा से संपर्क कर सकता है और उसमें खाता खुलवाने से समय के साथ पड़ोसी का रिश्ता कायम हो जाएगा।

स्वीकृति से पूर्व औपचारिकताएं

कार के भावी खरीददार को बैंक आवेदन पत्र सौंपने के बाद बैंक के अधिकारी उनसे बातचीत करते हैं। वर्तमान बैंक खाते, पेशे का प्रकार, योग्यता, वर्तमान बैंक खाते का विवरण, आय, आयकर भुगतान दाखिल करना, आदि, संभावित ऋण क्षमता को आंकने के लिए मांगा जाता है। यदि कार खरीदने वाले के पास बैंक खाता नही है तो 'अपने उपभोक्ता' नियमों को जानें, नया बैंक खाता खोलने पर भी इसकी जरूरत होती है। भावी ऋण उपभोक्ता को आवेदन पत्र को सही तरीके से भरकर और उसे बैंक को (जिसमें एक्स शोरूम की कीमत, पहले साल में बीमा की किस्त, पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) शुल्क) की प्रति के साथ उस कार के लिए देना होता है जिसे वह ऋण के साथ खरीदने का इच्छुक होता है। अब बारी आती है ऋण के आकलन की। 'प्रक्रिया शुल्क' के तौर पर कुछ राशि बैंक में जमा कराने के साथ बैंक भावी कर्जदार के सिबिल अंक का आकलन करता है। एक बार बैंक की जांच पूरी हो जाती है कि सिबिल अंक अनुकूल हैं तो फिर स्वीकृति के लिए प्रक्रिया पत्र तैयार कर लिया जाता है।

स्वीकृति और भुगतान

बैंक स्वीकृति पत्र जारी करता है, जिसमें स्वीकृति के नियम और शर्तों का उल्लेख होता है, इसमें स्वीकृत की गई राशि, ब्याज दर, मासिक किस्तें, ऋण की अवधि और मार्जिन राशि जमा करने जैसी चीजें शामिल होती हैं। साथ

	बैंक ऑफ इंडिया	फेडरल बैंक	एचडीएफसी बैंक	आईसीआईसीआई बैंक	एक्सिस बैंक	केनरा बैंक	आईडीबीआई बैंक
	कोई (15)	0.9 (10)	1.80 (10)	कोई (15)	2.40 (5)	3 (5)	1.80 (10)
	मासिक आय का 24 गुणा (7)	कोई (15)	वर्षिक आय का 6 गुणा (10)	कोई (15)	कोई (15)	कोई (15)	कोई (15)
	कुछ नही (15)	10 (12)	कुछ नही (15)	कुछ नही (15)	कुछ नही (15)	10 से 20 (5)	10 से 20 (5)
	500 (4)	2,500 (4)	5,225 (2)	10,000 (2)	5,500 (2)	2,500 (4)	कुछ नही (5)
	10.65 (15)	10.90–12.05 (3)	10.70–12.25 (3)	10.75–15 (3)	11.50 (7)	10.70 (10)	10.95 (10)
	हां (0)	नहीं (5)	नहीं (5)	नहीं (5)	नहीं (5)	हां (0)	नहीं (5)
	हां (0)	हां (0)	हां (0)	हां (0)	हां (0)	नहीं (5)	हां (0)
	10 + (1)	6 से 10 (3)	0 से 5 (5)	6 से 10 (3)	6 से 10 (3)	6 से 10 (3)	10 + (1)
	15	15	15	12	12	10	15
	69	67	65	70	64	57	66

ही इसमें सेवा शुल्क से जुड़ी जानकारी, उत्तर दिनांकित चेक (पीडीसी) जमा करना, ऋण की अवधि आदि शामिल होती है। एक बार जब बैंक से कार की खरीदी के लिए ऋण के सत्यापन के दस्तावेज का काम उपभोक्ता पूरा कर लेता है तो फिर ऋण की राशि संबंधित कार वितरक को देने का आदेश दे दिया जाता है, जिससे कार लेने वाले हैं। इसके साथ ही बैंक क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के कार्यालय में हस्ताक्षर किया हुआ पत्र भेजते हैं, जिसमें बैंक और ऋणकर्ता के बीच 'दृष्टि बंधन करार' की मौजूदगी का उल्लेख रहता है, इसलिए पंजीकरण प्रमाणपत्र में यह परिलक्षित होता है। बिना तारीख वाला आवेदन पत्र (आरटीए को संबोधित करते हुए) उपभोक्ता द्वारा भी दिया जाता है जिसका उपयोग बैंक का संदर्भ दिए बिना उपभोक्ता द्वारा कार बेचे जाने की स्थिति में बैंक कर सकता।

स्वीकृति के बाद की औपचारिकताएं

एक बार ऋण का खाता खुल जाता है तो स्वीकृति के बाद की औपचारिकताएं शुरू हो जाती हैं। कार खरीदने वाले दिन बैंक के अधिकारी गाड़ी के पंजीकरण संख्या को दर्ज करने के लिए वहां पहुंचते हैं क्योंकि यह कार की भौतिक जांच का भी दिन होता है। बीमा योजना की प्रति बैंक को भी देनी होती है और उसे संबंधित ऋण दस्तावेजों के साथ रखा जाता है। ऋण की पूरी राशि मिलने तक यह बीमा हर साल खरीदार द्वारा नवीकृत कराई जाती है। आरसी की एक प्रति ऋण के दस्तावेजों के साथ रखी जाती है।

डाक्यूमेंट कलेक्शन है जरूरी

जब आप यह तय कर लेते है कि आपको किस बैंक से कार लोन लेना है, उसके बाद नंबर आता है डाक्यूमेंट कलेक्ट करने का। आप पहले अपने दस्तावेज एकत्रित कर ले, उसके बाद ही लोन के लिए एप्लाई करें। आपके पास इनकम प्रूफ, पहचान–पत्र, रेजीडेंस प्रूफ, इनकम टैक्स रिटर्न या फार्म–16, लेटेस्ट सैलरी स्लिप, बैंक स्टेटमेंट, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी है। लोन देने वाला बैंक आपसे किन कागजों को मांगता है यह उस पर निर्भर करता है। इसलिए जरूरी है कि आप सभी कागज तैयार कर लें। इसके अलावा कार लोन का टेन्योर भी तय करें यानि आप कितनी किस्तों में बैंक को भुगतान करना चाहते हैं। अधिकतर बैंक 12, 24, 36, 48 और 60 माह के लिए कार लोन देते हैं। आप जितने ज्यादा माह का टेन्योर लेंगे, उतना ही ज्यादा ब्याज आपको बैंक को देना पड़ेगा।

कार का चुनाव करते समय क्या चीजें देखी जाती हैं ?

बाकी सारी चीजों को छोड़कर सबसे पहले कीमत देखी जाती है। कौन–सी मूल्य सीमा आप वहन कर सकते हैं? यदि संभव हो सके तो सबसे पहले किसी वित्तीय योजनाकार से सलाह ले सकते हैं, या फिर बैंक ऋण विशेषज्ञ, एक लेखाकार, अकाउंटेंट या किसी दोस्त, रिश्तेदार जिनके पास रुपयों के प्रबंधन की जानकारी हो।

जिस प्रकार आप नई गाड़ी के बेहतर सौदे के लिए इधर–उधर घूमते हैं तो फिर इसके भुगतान के लिए ऋण के लिए क्यों नहीं? अधिकांश लोग ऐसा नहीं करते हैं वो वितरक के पास बिना किसी तैयारी के पहुंच जाते हैं।

परीक्षण सूची

किस प्रकार की गाड़ी खरीदनी है इसके बारे में आश्वस्त हो जाने के बाद इसके मॉडल और ब्रांड के बारे में आप विचार करते हैं। इस बात का निर्णय कर लें कि किस प्रकार की सुविधाएं और विशेषताएं आप चाहते हैं और क्या नहीं चाहते। इंटरनेट इसके लिए बेहतर स्थान है जहां आप संभावित वाहन के बारे में पता लगा सकते हैं और खासतौर से मोटर वाहन की जानकारी देने वाली साइट पर इसकी समीक्षाएं पढ़ सकते हैं। (यह देखा गया है कि भले ही कार अप्रैल में खरीदी गई हो और आरसी में सबसे नए मॉडल के रूप में सही तरीके से पंजीकृत किया गया हो, जब इंजन की जांच की गई तो वह पिछले साल का मॉडल पाया गया! इसलिए कार विशेषज्ञ इस बात की सलाह देते हैं कि इंजन की जांच करें जिससे कार के निर्माण के वास्तविक साल का पता लग सके।)

डीजल या पेट्रोल

आप कौन–सा मॉडल खरीदना चाहते हैं या खरीदे जाने वाला वाहन किस ईंधन से चलेगा। पारंपरिक रूप से डीजल वाली गाड़ियों को बदबूदार, आवाज करने वाली और खरीदने के लिए महंगी मानी जाती है। हालांकि इससे आप टंकी भरवाने के बाद अधिक दूरी तय कर सकते हैं, वहीं पेट्रोल गाड़ियां कम किफायती मानी जाती हैं लेकिन अधिक शांत और खरीदने में अधिक सस्ती होती हैं।

भारत में, पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के बीच कीमत का अंतर बड़ी तेजी से कम होता जा रहा है, हाल ही में क्रिसिल शोध पत्र में कहा गया गया है डीजल प्रकार की गाड़ियों को खरीदने के लिए अतिरिक्त कीमत चुकाना उपयोग के हिसाब से लंबे समय तक किफायती नहीं माना जाएगा। आमतौर भारत में पेट्रोल प्रकार की गाड़ियों की तुलना में डीजल गाड़ियों की कीमत तकनीक व अन्य कारणों से अधिक होती है। क्रिसिल का कहना है कि छोटे मॉडल वाली गाड़ियों में यह मूल्य वृद्धि 1 लाख रुपए, साथ ही साथ भव्य सेडान गाड़ियों में 3 लाख रुपए के बीच होती है।

कार बाजार इलेक्ट्रिक गाड़ियों या सीएनजी/एलपीजी उपकरण लगी गाड़ियों की भी पेशकश करता है लेकिन यह अभी विकासशील स्तर पर हैं और इसमें चुनाव के लिए बहुत अधिक गाड़ियां उपलब्ध नहीं हैं।

आराम

हां। बैठने में आरामदायक, ब्रेक लगाने के दौरान कम से कम झटका लगे, चलाने के दौरान प्रसन्नता महसूस हो। ऐसी कार को चुनें जिसमें सीटों के बीच पैर रखने के लिए काफी जगह हो। सीट ही असुविधा का कारण बनती है या यहां तक कि ऊबड़–खाबड़ मार्ग पर कार चलना काफी असुविधाजनक हो सकता है। कार के अंदर उपभोक्ताओं पर 'मुख्य विशेषताओं की तकनीक की बौछार की जाती है, लेकिन संक्षेप में अंतिम उपयोगकर्ता के लिए आराम और सुरक्षा सबसे जरूरी होते हैं।

सुरक्षा

क्या सामर्थ्य और सुरक्षा के बीच समझौता हो जाता है, यह सवाल आप अपने आप से जरूर पूछें। आपके लिए ऐसी कार कितना महत्व रखती है जिसमें जीवन को सुरक्षा देने वाली विशेषताएं जैसे एअरबैग और एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) न हो? इसका विफल पक्ष हाल के समय में लोगों की चेतना में आया है कि भारत में संचालित हो रही अधिकांश कंपनियां अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और वो अपने मॉडल को बेहतरीन सुरक्षा सुविधाओं के साथ निर्यात करती है– यहां तक कि छोटी कारों में भी छह एअरबैग्स दे रही हैं– भारत में ऐसे मॉडल में यह कमी पाई जाती है। क्या हम सामान्य तौर पर यह मान सकते हैं कि नई आधुनिक कारें सुरक्षित हैं, या फिर हमें इसके बारे में सोचना नहीं चाहिए? किसी भी मामले में कार में मौजूद सुरक्षा उपकरणों के बारे में फीचर पत्रिका में अलग से विशेषताओं और सुविधाओं की सूची वाली श्रेणी बनी होती है।

टिकाऊपन

उपभोक्ता को तकनीकी विशेषताओं के अंतर्गत इंजन की क्षमता, ग्राउंड क्लीयरेंस, टॉर्क, एयरो–गतिशीलता आदि को ध्यान में रखना चाहिए।

कार खरीदने के लिए बैंक से ऋण

यदि आपने अभी तक अपने सपनों की कार नहीं खरीदी तो दिल छोटा करने की जरूरत नहीं है, इसका एक रास्ता है वर्ष 2015 में आने वाले एसयूवी और एमपीवी मॉडल। (संलग्न सारणी देखें।)

निर्माता	मॉडल	2015 में आने का अनुमानित महीना	मूल्य सीमा (रुपए, लाख)
डैटसन	डैटसन + जीओ (एमपीवी)	जनवरी	4.80–5.50
मारुति	सुजुकी सेलेरियो (डी)	फरवरी	4.30–5.50
मारुति	सुजुकी एस क्रॉस–एसयूवी	मार्च	9.00–12.50
रेनॉल्ट	रेनॉल्ट लॉजी–एमपीवी	मार्च	9.00–13.00
होंडा	होंडा जैज	अप्रैल–मई	5.75–8.00
रेनॉल्ट	ए एंट्री	जुलाई–अगस्त	3.2.–4.50
टाटा	नैनो एएमटी (एटी)	जुलाई–अगस्त	2.50–3.50
टाटा	काइट ट्विन्स	जुलाई–अगस्त	4.00–7.00
महिंद्रा	रग्ड–यू 301(एसयूवी)	जुलाई–सितंबर	5.75–8.50
फोर्ड	फोर्ड का ट्विन्स	अगस्त–नवंबर	4.00–7.50
हुंडई	जीसीआई (कॉम्पैक्ट एसयूवी)	सितंबर–अक्टूबर	7.50–10.00
महिंद्रा	माइक्रो (एस– 101) एसयूवी	सितंबर–अक्टूबर	3.99–6.00
डैटसन	रेडिगो	अक्टूबर	2.80–3.50
मारुति	सुजुकी अपर प्रीमियम हैचबैक	अक्टूबर–नवंबर	5.50–7.75

***इकोनॉमिक टाइम्स (31.12.2014)*

ऋण से जुड़े अन्य सुझाव

- ✔ हमेशा स्थिर ब्याज दर की बजाय अस्थिर ब्याज दर का चुनाव करें, जिसे कई बैंक देना चाहता है। यदि अर्थव्यवस्था बेहतर होती है तो अस्थिर ब्याज दर का स्तर नीचे आ जाता है और आप इस सुदृढ़ विकास का लाभ लेने वालों में से एक हो सकते हैं।
- ✔ आपके निवास स्थान/व्यवसायिक क्षेत्र में 'ऋण मेला' या ऋण प्रचार पर नजर रखें। इस दौरान बैंक कम से कम देरी (यह उनके लक्ष्य के अनुकूल होता है) में सक्रिय रूप से ऋण देने का इच्छुक रहता है। इसके आगे, प्रचार के दौरान प्रक्रिया शुल्क या तो बहुत ही कम लिया जाता है या पूरी तरह से हटा लिया जाता है। आपके लिए एक और बात अप्रत्याशित हो सकती है : ब्याज दर में थोड़ी छूट।
- ✔ बैंक अपने कार ऋण के साथ अन्य पार्टियों के उत्पाद भी आगे बढ़ाने को प्रवृत्त रहता है। इस प्रकार के दबाव को यह कह कर प्रतिरोध करें कि जरूरी नहीं कि इस प्रकार के उत्पाद बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों।
- ✔ सारे दस्तावेजों को पूरा करने के बाद बैंक की स्वीकृति प्रति के साथ आप मुख्य अनुबंध की प्रति की मांग करें।
- ✔ बैंक में आवेदन जमा करने के दौरान, आवेदन पर ऋण का उद्देश्य लिखें, बाद में बैंक के किसी धूर्त कर्मचारी द्वारा आपके आवेदन का इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य (क्रेडिट कार्ड जारी कराने के लिए, म्यूचुअल फंड, बीमा आदि) को विफल करने के लिए करें।
- ✔ खाली दस्तावेज पर कदापि हस्ताक्षर न करें। अपना हस्ताक्षर करने से पहले दस्तावेज को ध्यानपूर्वक पढ़ें।